न्यू पंबन ब्रिज

[स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स](#)

प्रधानमंत्री ने भारत के **पहले वर्टिकल लिफ्ट रेलवे समुद्री पुल**, **नए पंबन ब्रिज का उद्घाटन किया**, जिससे रामेश्वरम और मुख्य भूमि भारत के बीच संपर्क बढ़ेगा।

- इसे रेल मंत्रालय के अधीन **रेल विकास निगम लिमिटेड (RVNL) द्वारा डिज़ाइन** किया गया है **और इसे 100 वर्षों से अधिक समय तक** चलने के लिये बनाया गया है।
- यह **पाक जलडमरूमध्य में 2.07 किमी** तक फैला है तथा इसने **1914 के पंबन ब्रिज** की जगह ली है।
- इसमें **72.5 मीटर का ऊर्ध्वाधर लिफ्ट स्पान** है जो जहाज़ के गुजरने के लिये **17 मीटर ऊपर** उठता है।
    - **इसे दोहरी पटरियों** के लिये डिज़ाइन किया गया, यह **भारी, तेज़ ट्रेनों** और सुचारू **रेल-समुद्री समन्वय** के अनुरूप है।
    - यह **गोल्डन गेट (अमेरिका), टॉवर (ब्रिटेन) और ओरेसंड (डेनमार्क और स्वीडन को जोड़ने वाले) पुलों** जैसे विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त पुलों को जोड़ता है।

- **इसे अशांत जल, चक्रवात और भूकंपीय गतिविधियों** का सामना करने के लिये बनाया गया है।
    - **वर्ष 1964 की सुनामी** के दौरान एक यात्री रेलगाड़ी पुराने पंबन ब्रिज से **बह गई** थी, **हालाँकि पुल ने स्वयं इस आपदा को सहन** कर लिया था।
- **पुराने पंबन पुल** का निर्माण **वर्ष 1911** में शुरू हुआ था और **वर्ष 1914** में इसे यातायात के लिये खोल दिया गया था। यह **भारत का पहला समुद्री पुल** था जिसे व्यापार के लिये बनाया गया था।

और पढ़ें: [कच्चातिवु द्वीप](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/new-pamban-bridge